हरिभूमि
# भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई, 2025

9 निजी विद्यालय की बस में अज्ञात कारणों से लगी आग

10 श्रावण माह का पहला सोमवार आज, भोले के जयकारों ...

# सीएम ने दी भिवानी को 234 करोड़ 38 लाख की परियोजनाओं की सौगात

**ये परियोजनाएं महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती पर जनता को समर्पित की गई हैं, 97 करोड़ की 6 परियोजनाओ का उदघाटन हुआ है जबकि 147 करोड़ की 13 परियोजनाओ शिलान्यास किया, समाज की धर्मशालाओं में विभिन्न कार्यों के लिए 1 करोड़ 29 लाख देने की घोषणा**

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने आयोजित कार्यक्रम में भिवानी को विभिन्न कार्यों के लिए 234 करोड़ 38 लाख रुपये की सौगात दी। इस दौरान 97 करोड़ रुपये की 6 योजनाओं का उदघाटन किया और 147 करोड़ की 13 योजनाओं का शिलान्यास किया। इनके अलावा समाज के मांग पत्र को स्वीकार करते हुए प्रदेश में समाज की धर्मशालाओं में विभिन्न कार्यो के लिए कुल एक करोड़ 29 लाख रूपये देने की घोषणा की। जिसमें सीएम ने 31 लाख रुपये, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने 21 लाख रूपये और कृष्ण लाल पंवार, महिपाल ढांडा, डॉ अरविंद शर्मा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी, सांसद धर्मबीर सिंह व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा की ओर से 11-11 लाख रूपये की राशि शामिल है।

भिवानी। दक्ष प्रजापति महाराज जयंती समारोह में करोड़ों रुपये की योजनाओं का उदघाटन करते सीएम नायाब सिंह सैनी व कार्यक्रम में सीएम नायाब सैनी को स्मृति चिंह देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### मुख्यमंत्री ने भिवानी विधानसभा क्षेत्र में 21 करोड़ रुपये राशि के विकास कार्यों की घोषणा की

मुख्यमंत्री ने हालूवास माजरा, धिराणा माजरा और देवसर के उप स्वास्थ्य केंद्रों के नवीनीकरण के लिए 1 करोड़ 66 लाख रूपये, भिवानी नई अनाज मंडी में अतिरिक्त दो कवर शैड के निर्माण के लिए 3 करोड़ 50 लाख , भिवानी नई अनाज मंडी में नई सडक के निमार्ण के लिए 4 करोड़ 50 लाख , नई अनाज मंडी की चारदिवारी के लिए 80 लाख , अनाज मंडी के साथ लगते मार्किट बोर्ड के गोदामों को ऊंचा उठाने के लिए 3.5 करोड़ , पशुओं के पीने के पानी की व्यवस्था के लिए जिला के नंदगांव से बाबा वाला जोहड़ को राजगढ माइनर से पाइपलाइन के माध्यम से जोडने के लिए 49.33 लाख , नदंगांव में दोनों जोहड़ों की रिटेनिंग वॉल के निर्माण और सौंदर्यकरण के लिए छह करोड़ , भिवानी की छह विभिन्न धर्मशालाओं दुर्बलनाथ खटीक धर्मशाला, धानक धर्मशाला, कबीर धर्मशाला, स्नातन धर्मशाला, वीरवान पाना धर्मशाला और भाटामगडी धर्मशाला में हॉल व विभिन्न कार्यो के लिए 1.5 करोड़ गावं कोट, हालूवास और हालूवास माजरा देवसर में सामुदायिक केंद्रों के निर्माण के लिए 3.05 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

### गांवों में विभिन्न विकास कार्यों के लिए अलग से पांच करोड़ रुपये देने की घोषणा

इसके अलावा, उन्होंने भिवानी विधानसभा के शहर व गांव में विभिन्न विकास कार्यो के लिए अलग से 5 करोड़ रूपये देने की घोषणा की। मुक्यमंत्री ने महाराजा दक्ष प्रजापति को नमन करते हुए कहा कि वें एक महान राजा, दूरदृष्टा, कुशल प्रशासक और सृष्टि के विस्तारक थे। उन्होंने समाज को एक अनुशासित और व्यवस्थित ढाँचा प्रदान किया। प्रजापत समाज का देश और हरियाणा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

### चाक का समाज में खास महत्व

सीएम नायाब सिंह सैनी ने कहा कि समाज में चाक का खास महत्व होता है। चाक पर मिट्टी के ही बर्तन नहीं बनाए जाते,बल्कि इसकी पूजा भी होती है। बेटी की शादी में हम उसकी पूजा करते है। यह रिवाज वर्षो से चली आ रही है। जब तक चाक का पूजन नहीं होता। तब तक विवाह की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाती। सीएम ने कहा मिट्टी के बर्तन बनाने की एक ख़ास कला है जिसको प्रजापत समाज ने आस्था और परंपरा के साथ आगे बढ़ाया है। शीशे और प्लास्टिक के प्रयोग के बढ़ने से मिट्टी के समान की मांग जरूर कम हुई है लेकिन प्रजापत समाज इसको समय की मांग के मुताबिक आगे बढ़ाए। प्रजापत समाज सजावट का समान मिट्टी से बनाए जिसकी विदेशों में भी मांग है। हमारी सरकार की नीतियां किसी एक जाति के लिए नही बल्कि मेहनतकस के लिए बनाई गई है। उन्होंने कहा कि आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक और सोलर आधारित चाक और भट्टी का प्रयोग प्रजापत समाज करें ये सरकार का प्रयास है।

### बीसी-ए को पंचायत के चुनाव में 8 प्रतिशत आरक्षण दिया

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ही बीसी-ए को पंचायत चुनाव में 8 प्रतिशत आरक्षण दिया है। भाजपा सरकार की सोंच है कि सरकारी की सभी योजनाओं का फायदा सभी समुदाय के लोगों को मिले। उसी क्रम में बीसी ए को पंचायत चुनाव में आरक्षण देकर बेहतरीन कार्य किया है। इनके अलावा हरियाणा में पिछड़े समाज की बेटियों की शादी में शगुन राशि को पिछले दिनों 41 से बढ़ाकर 51 हजार की गई है। पिछड़े वर्ग में 3 लाख तक की आय वाले परिवारों के बच्चो की पढ़ाई के लिए 15 लाख और विदेश भेजने पर 20 लाख का ऋण 4 प्रतिशत की कम ब्याज पर दिया जाता है। उनकी सरकार पिछड़ा वर्ग में जिन परिवारों की आय ढाई लाख सालाना है उनके बच्चों को छात्रवृत्ति सरकार दे रही है।

लोहारू। ढाणी श्यामा गांव के बस स्टैंड पर जांच कार्रवाई करती पुलिस।

## ढाणी श्यामा के पास रोडवेज बस व बाइक की टक्कर, बाइक सवार महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

- मोटरसाइकिल चालक महिला का पति गंभीर रूप से घायल

लोहारू-पिलानी सड़क मार्ग पर रविवार दोपहर गांव ढाणी श्यामा बस स्टेंड के नजदीक हरियाणा रोडवेज की बस और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार महिला मिथलेश की हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल चालक महिला का पति अशोक शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को निकटवर्ती राजस्थान राज्य के पिलानी कस्बे के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने महिला मिथलेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि पति अशोक शर्मा की हालत की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर लोहारू पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार पिलानी कस्बा निवासी करीब 56 वर्षीय अशोक शर्मा अपनी पत्नी मिथलेश (53 वर्ष) के साथ लोहारू के ढाणी श्यामा गांव में अपनी रिश्तेदारी में मिलने जा रहा था। इस दौरान ढाणी श्यामा गांव के बस स्टेंड के नजदीक उन्होंने जैसे ही अपनी मोटरसाइकिल गांव की ओर मोड़ी तो कथित रूप से पीछे से आ रही हरियाणा रोडवेज की उन्हें कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोडवेज बस करीब 20 से 30 मीटर तक मोटरसाइकिल को घसीटते हुए ले गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे कपिल शर्मा और स्थानीय लोगों ने दोनों को घायलों को निकटवर्ती पिलानी के सार्वजनिक अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने महिला मिथलेश को मृत घोषित कर दिया।

## तीस हजार की आबादी होने पर भी शहर में नहीं हैं व्यायामशाला व योगशाला

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

- विधायक बोले-मंत्री से करेंगे बात, जल्द मिलेगी सुविधा
- शहर को स्वस्थ रखने के लिए इनका होना जरूरी है

बवानी खेड़ा की आबाद 30 हजार के पार होने पश्चात भी यहां पर कोई व्यायामशाला और योगशाला नहीं है जिसके कारण लोगों को आसपास के गांवों में कूच करना पड़ता है। हालांकि विधायक कपूर वाल्मीकि द्वारा हलके के अनेक गांवों में अनेक व्यायामशालाओं को स्थापित करने का कार्य किया है लेकिन बवानी खेड़ा में कोई व्यायामशाला व योगशाला न होने के कारण लोग खासे रूष्ठ दिखाई दे रहे है।

**शरीर पर पड़ रहा बुरा प्रभाव:** शहरवासियों में हनुमान पारारसर, ललित जैन, राजेश ठकराल, मुकेश ठकराल, अशोक कुमार आदि ने बताया कि ट्रिपल इंजन की सरकार है और बवानी खेड़ा की आबादी को देखते हुए यहां पर व्यायामशाला और योगशाला स्थापित कर मास्टर ट्रेनरों की नियुक्ति करनी चाहिए। क्योंकि आज के समय में कैसा खानपान है हम सभी जानते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने और खानपान को पचाने के लिए व्यायामशाला और योगशाला की सख्त जरूरत है। यदि शहर की आबादी को देखते हुए दो-दो व्यायामशाला और योगशाला स्थापित नहीं करवाई जा सकती तो कम से कम एक-एक व्यायामशाला और योगशाला स्थापित हो ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके।

**नपा प्रधान एवं विधायक से करें बात:** शहरवासियों ने बताया कि इस व्यायामशाला और योगशाला की स्थापना को लेकर वे नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री व विधायक कपूर वाल्मीकि से संपर्क करेंगे और उनके सामने इस समस्या को रखेंगे ताकि इनकी स्थापना करवाकर लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके। क्योंकि शहर को स्वस्थ रखने के लिए इनका होना जरूरी है अन्यथा इंसान का शरीर अनेकों बीमारियों से ग्रस्त हो जाएगा।

**आयुष मंत्री से करेंगे बात:** व्यायामशाला और योगशाला को लेकर विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि वे आयुष मंत्री आरती राव, आयुष विभाग के निदेशक डॉ. संजीव वर्मा से मिलेगे और इसकी बवानीखेड़ा व्यवस्था के लिए बात करेंगे वहीं आयुष योग सहायक की नियुक्ति बारे भी बात की जाएगी ताकि शहरवासियों को ये सुविधा मुहैया हो सके।

एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
कैंसर की पूरी, विश्वस्तरीय जांच और इलाज
कैंसर के इलाज के लिए अब दिल्ली क्यों जाना ?
एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल अब CGHS और CISF, CRPF, CAPF, SSB, BSF, ITBP, NSG, Delhi Police पैनलों में शामिल
अपॉइंटमेंट एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
9138111625
एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
सुशांत सिटी, कुंडली, रसोई गाँव के पास, सोनीपत
www.andromedahospital.in
NABH मान्यता प्राप्त
Scan the code to open the Google Map

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
NBA ACCREDITED
B.TECH ME, ECE and MBA
GITAM is among the BEST ENGINEERING INSTITUTES OF THE COUNTRY !
RANKED #19 in North India
RANKED #39 Pvt. Institutes in India
RANKED #41 Across India
RANKED #62 Placement Across India
Times Engineering Institute Ranking Survey-2025
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
GSAT 2025 MCQ based
GITAM SCHOLARSHIP -cum- ADMISSION TEST
13/07/2025 | 10:30 am Onwards
Free Registration at www.gangainstitute.com
Venue: GITAM, JHAJJAR (DELHI-NCR)
ADMISSIONS OPEN 2025-26
B.TECH | B.TECH (LEET)
CSE, CSE (DATA SC.), CSE (AI & ML)
ECE, MECHANICAL, ELECTRICAL, CIVIL
FIRE TECHNOLOGY AND SAFETY
FOR WORKING PROFESSIONALS
B.TECH (FIRE TECH. & SAFETY, CSE), M.TECH (CSE), MBA
M.TECH | MBA | BBA | MCA | BCA | B.ARCH | M.ARCH | B.ED | M.ED
For Admission Enquiry
8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946
www.gangainstitute.com
GANGA GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi +91-9654292902, 03, 04

खुल गया खुल गया खुल गया
गुरुकुल
हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त
दादरी रोहतक मैन रोड़, नजदीक बस स्टैण्ड गांव सांवड (च. दादरी)
प्रवेश प्रारंभ
आप सभी को जानकर अति प्रसन्नता होगी कि आपके अपने गांव सांवड़ में गुरुकुल खुल गया है। जिसमें वेद-शास्त्रों व संस्कृत की शिक्षा प्रदान की जाती है।
ट्यूशन फीस निःशुल्क
कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों का स्वागत है।
विशेष : सुबह 7 बजे से 8:30 बजे तक योग शिक्षा-अभ्यास व सुबह 9 बजे से 11 बजे तक संस्कृत की निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।
आवश्यकता : ●आचार्य - 01 ●शास्त्री - 01
किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें
संचालक : हरविलास वर्मा (रिटायर्ड तहसीलदार)
9873773800

## हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

# लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

## काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

**तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।**

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा



जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।





यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

*'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए*
*कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'*

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

**कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।**

---

रागनी | रामधारी खटकड़



### बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या, इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह-जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का, हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै, नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी, तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र, बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की, इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै, आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं-नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते-किते गोदाम सड़ैं, किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई, सुबक-सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख, बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै, हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं, जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या, ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं, तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे, खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

---

रागनी | पवन मित्तल



### कवि सै दरबारी कोन्या

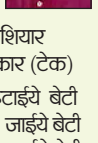

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं, चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर, सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे, सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै, हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै, लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै, बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै, इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए, जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै, मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं, डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे, गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

---

जागीर | **मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए**

# जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध



इतिहास | यशपाल गुलिया

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।



हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं।

हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

---

# लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्य का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं। डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।





### पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

### आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

# पौधे लगाने से हो सकता है पर्यावरण समस्या का हल: कमल प्रधान

भिवानी। पार्क कॉलोनी में जुड़वा बच्चों के जन्मदिन पर त्रिवेणी लगाते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दूषित वातावरण से पेड़ ही हमें बचा सकते हैं संतान धोखा दे सकती है पेड़ कभी धोखा नहीं देंगे यह बात मन्नू और मैसी के जन्मदिन प त्रिवेणी पौधारोपण करते हुए युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कही ।

उन्होंने कहा हर बच्चा बुजुर्ग नौजवान महिला आदि ने एक पेड़ साल में जरूर लगाए और उसकी देखभाल करें और जिस प्रकार से पूरे संसार के अंदर पर्यावरण एक बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है उसका हाल एक ही है कि हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए। अपने जन्मदिन पर, शादी की वर्षगांठ पर, अपने बुजुर्गों के नाम जब भी ऐसा अवसर आए तो पेड़ जरूर लगाए। पार्क कॉलोनी में दो जुड़वा बच्चों के जन्मदिन पर कॉलोनी वालों ने त्रिवेणी लगाकर इसकी शुरुआत की। इस अवसर पर संजय घणघस, मा. बलजीत, सोमबीर संगवान, कालिया, हरीश कुमार, कुलदीप ढिल्लों, घनश्याम तिवारी, काके शर्मा आदि उपस्थित रहे।

## लायन क्लब भिवानी सिटी ने लिटिल हार्टस स्कूल में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लायन क्लब भिवानी सिटी ने सेवा सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए लिटिल हार्टस इंटरनेशनल स्कूल के परिसर में 51 फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन त्रिलोक चन्द गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा क्लब के प्रधान लायन प्रदीप जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। लायन डॉ. संजय गोयल ने बताया कि आज किया गया पौधारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार है।

उन्होंने कहा कि फलदार पौधों से भविष्य में समाज को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्य अतिथि ने लायन क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पेड़ों से ही हम

भिवानी। लिटि हार्टस स्कूल में पौधारोपित करते हुए।

सबको जीवन मिला है। बिना पेड़-पौधों के हमारा जीवन अधूरा है। पृथ्वी को हरा-भरा करना है तो हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एम.डी. पवन गोयल व भावना गोयल, प्रबंधक सतीश गोयल व रवि गोयल तथा क्लब के कई पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित रहे, जिनमें विशेष रूप से लायन ललित अग्रवाल, लायन सुरेश केडिया (सचिव), लायन प्रमोद मिण्डुका (कोषाध्यक्ष), लायन संजय अग्रवाल, लायन अशोक तायल, लायन पूनम बजाज, लायन अजय गर्ग, लायन अमित बंसल, लायन राजीव गर्ग, लायन लक्ष्मीकांत, लायन संजीव कौशिक, लायन राजेश गुप्ता, लायन प्रदीप अग्रवाल, लायन कमल बंसल, लायन पी.आर. बंसल, लायन मोहन तलवार सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं समाजसेवी शामिल रहे।

### गांव पैंतावास खुर्द में अभियान के तहत लगाए पौधे

बवानीखेड़ा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार सक्रिय रहते हुए सेक्टर-23 निवासी श्रीपाल यादव ने अपने पैतृक गाँव पैंतावास खुर्द में 'हर घर पेड़ – हर घर हरियाली' अभियान को आगे बढ़ाया। इस पुनीत कार्य में उन्होंने गाँव के गणमान्य व्यक्तियों और परिजनों के साथ मिलकर व्यापक पौधरोपण किया। इस अवसर पर उनके पिताजी श्रीचन्द यादव, नेशनल अवार्ड से सम्मानित चाचा मास्टर तुलसी राम, बड़े भाई दलबीर यादव, छोटे भाई अजय यादव, भाई पप्पू यादव,मास्टर बिंदर पूर्व सरपंच महेन्द्र जी ,मास्टर दलबीर सांगवान, अत्तर यादव और डॉ. नवीन यादव, अत्तू सांगवान,भूपेंद्र सांगवान,भाकर सांगवान,बलजीत यादव,डॉ. रामपत सांगवान,पूर्व सरपंच लवली और वर्तमान सरपंच जोगेन्दर बडगुर्जर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। एवं अन्य ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। श्रीपाल यादव ने अपने गाँव के आराध्य देव बाबा छोटूनाथ मंदिर परिसर को वृक्षारोपण कर हरियाली का संदेश दिया। शिक्षिका डॉ. सरोज यादव ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, एक संस्कार है। पेड़ लगाना एक छोटा प्रयास लगता है, लेकिन इसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक रहता है।

## खबर संक्षेप

### गांव काकड़ोली के स्कूल में लगाए पौधे

**बाढ़ड़ा।** चरखी दादरी जिले के गांव काकड़ोली सरदारा स्थित शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण को लेकर सबको आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान लगाए गए पौधों की समय समय पर देखभाल करने की बात कही, ये बात मेरा युवा भारत वालंटियर प्रवीण गोलागढ़ ने कही। उन्होंने अपनी प्रकृति को हरा-भरा बनाने को लेकर संचालित मुहिम को लेकर पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण बचाओ का संदेश दिया।

### 112 लोगों ने उठाया कैंप का लाभ

**भिवानी।** के.पी.एम चेरीटेबल अस्पताल में मेदांता अस्पताल गुरुग्राम द्वारा हृहय एवं सांस रोग के विशेषज्ञों के द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ महंत चरणदास ने रिबन काट कर किया। के.पी.एम अस्पताल के वाईस चेयरमैन हर्षदीप डुडेजा ने बताया कि यह मेडिकल कैंप के.पी.एम भिवानी के पूर्व प्रधान स्व. अशोक सरदाना की स्मृति में लगाया गया। कैंप में हृदय रोगियों, फेफड़ों, हड्डियों में कैलश्यिम की कमी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शूगर, ईसीजी की निःशुल्क जांच की गई। निःशुल्क कैंप का 112 लोगों ने लाभ उठाया।

### 21 वर्षों बाद निकाली गई शोभा यात्रा

**भिवानी।** महाराजा श्रीदक्ष प्रजापति जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को भीम स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने के लिए श्रीदक्ष प्रजापति महासंघ हरियाणा ने शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा दिनोद गेट से शुरू हुई, जिसे महासंघ के प्रधान सुरेश प्रजापति ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विभिन्न मुख्य चौराहों से होती हुई स्टेडियम में संपन्न हुई। बता दे कि महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती पर वर्ष 2004 में शोभायात्रा निकाली गई थी तथा 21 वर्षों बाद निकाली गई शोभा यात्रा के प्रति लोगों में खासा उत्साह व जोश नजर आया। शोभायात्रा ने प्रजापति समाज में एकता और भाईचारे का सशक्त संदेश दिया, जिसे देखने के लिए भारी संख्या में लोग उमड़ पड़े।

### श्रीदक्ष प्रजापति महाराज को दी श्रद्धांजलि

**भिवानी।** मिनी बाईपास स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क योग कक्षा के योग साधकों ने श्रीदक्ष प्रजापति महाराज की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में भक्ति, योग एवं सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्यतिथि के रूप मे पहुंचे पार्षद विनोद प्रजापति ने कहा कि दक्ष प्रजापति जैसे महापुरुष केवल एक समुदाय के नहीं, बल्कि समूचे समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने कहा कि महापुरूषों का जीवन तपस्या, त्याग और रचनात्मकता का प्रतीक है। नवदुर्गा संस्था द्वारा चल रही योग कक्षा समाज को संस्कारित और जागरूक बनाने का सराहनीय कार्य कर रही है।

### महाराजा श्रीदक्ष प्रजापति को किया नमन

**बाढ़ड़ा।** बाढ़ड़ा की आजाद मार्केट में महाराजा श्रीदक्ष प्रजापति की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मिठाई खिलाकर जयंती मनाई। भाजपा नेता रामनारायण छापोलिया ने कहा कि महाराजा श्रीदक्ष प्रजापति पृथ्वी के प्रथम राजा थे, इनका विवाह स्वयंभू पुत्री प्रसूति से हुआ था। उन्होंने कहा कि श्रीदक्ष प्रजापति ब्रह्माजी के मानस पुत्र बताए गए है, इनकी पुत्री सती शंकर भगवान की पत्नी थी। इनको दस हजार तेजस्वी पुत्रों का पिता बनाया है, जो संपूर्ण ज्ञान से युक्त थे। इनका आज पूरे विश्व में पूजनीय स्थान है।

## दो दिन पहले यही बस रोड से नीचे खेतों में घंसी थी

# स्कूल बस में अज्ञात कारणों से लगी आग, मौके पर पहुंचे एसडीएम

अग्निशमन की गाड़ी पहुंचने से पहले बस को बचाने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के रेलवे फाटक पार निजी विद्यालय की बस में अज्ञात कारणों से आग लग गई आग भी उसी विद्यालय की उसी बस में लगी जो दो दिन पहले बलियाली से बच्चों को लेकर आ रही थी और रोड से नीचे खेतों में धंस गई थी। अब ये अज्ञात कारण है या कोई साजिश सोचने और जांच करने वाला और जांच करने वाला विषय है। बताया जाता है कि आग शनिवार सांय पौने छः बजे के करीबन लगी जब चौकीदार ने स्कूल भवन के पीछे धुआ निकलते देखा और पाया कि बस के नीचे आग लगी हुई है जिसकी सूचना स्कूल संचालकों को दी। स्कूल प्रशासन ने निजी सिलेंडर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन नाकामयाब होते देख 112 पर कॉल कर पुलिस व अग्निशमन केन्द्र को सूचना दी।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में अज्ञात कारणों के चलते आग लगने से निजी स्कूल की जली हुई बस का दृश्य।

चैकीदार के माध्यम से सूचना मिली की गाड़ी के नीचे से धुंआ निकल रहा है। वर्ष 2017 में खरीदी गई 46 सीटर बस लगभग 20 लाख की कीमत की थी। वहीं विभाग की टीमें इसकी गहनता से जांच कर रही है। सीसीटीवी बंद नहीं मिले तो सारी सच्चाई सामने आएगी। वहीं अभिभावक भी दोनों घटनाओं से सहम गए हैं। उल्लेखनीय है कि विगत में उक्त बस बलियाली के पास असंतुलित होकर सड़क के नीचे उतर गई थी। हालांकि उस वक्त किसी बच्चे को कोई चोट नहीं लगी थी,लेकिन ऐहतियात के तौर पर जांच पड़ताल के पुलिस प्रशासन व एसडीएम मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए थे। उस मामले की जांच रिपोर्ट अभी आई नहीं है। पर बीती रात बस में अचानक आग लग गई। यह भी जांच का विषय है।

# 29 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया

■ परिजनों की स्मृति में आडंबरों में फंसने की बजाय करना चाहिए रक्तदान: डॉ. रोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित करते अतिथि।

रविवार को जेपएस इंडिया ग्रुप के सौजन्य से वंशिका फाउंडेशन ने चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल स्थित रक्तकोष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। फाउंडेशन ने प्रत्येक जरूरतमंद मरीज तक रक्त पहुंचाकर उसका जीवन बचाने के अभियान तथा मानवसेवा के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से लगाए शिविर में 29 लोगों ने रक्तदान किया।

शिविर का आयोजन शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा व ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. रोहित कुमार की अगुवाई में किया। शिविर की आयोजक आरती सोनी ने बताया कि रक्तदान शिविर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा के जीजा मनोज चौपड़ा की पुण्यतिथि व रक्तवीर मनीष वर्मा के पिता अत्तर सिंह सोनी खेड़ीवाले की स्मृति में लगाया गया। उन्होंने कहा कि परिजनों की स्मृति में रक्तदान से बड़ी श्रद्धांजलि व मानवसेवा नहीं हो सकती, क्योंकि एक यूनिट रक्त तीन जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने की क्षमता रखती है, ऐसे में प्रत्येकजन को चाहिए कि वे अपने परिजनों की स्मृति या किसी भी शुभ अवसर पर आडंबर में फंसने की बजाय रक्तदान जैसी सच्ची मानसेवा करें। शिविर में 29 रक्तदाताओं रक्तदान किया।

## सहायक उपकरण प्रदान करने को पंजीकरण शिविर आयोजित

**भिवानी।** आस्था स्पेशल स्कूल के सहयोग से भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) संस्था द्वारा दिव्यांगजन निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए पंजीकरण शिविर आस्था स्पेशल स्कूल में आयोजित किया। संस्था के संस्थापक विजय शर्मा ने बताया कि शिविर में सभी तरह के दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण के लिए चयन किया, जिसमें 250 दिव्यांगजनों ने भाग लिया। उनमें से ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर,सीपी चेयर, वाकर,वार्जिंग वाली ट्राई साइकिल, मोबाइल, टीएलएम कीट चयन किया। मुख्यतिथि डॉ. रिया गुप्ता ने शिरकत की। डॉ. रिया गुप्ता ने बताया कि जुनून की धारा दिखाई दे रही है, जो ऐसे दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित कर उभारने करने का संकल्प ले रखा है। कैंप की आयोजन से दिव्यांगजनों को सुलभ तरीके से सहायक उपकरण उपलब्ध हो पाएंगे। दिव्यांगजनों में एक नई किरण दिखाई दी और इस किरण में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का संकेत प्राप्त हुआ।

# विधायक फरटिया ने दर्जनभर गांवों में किया धन्यवादी दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

कांग्रेसी विधायक राजबीर फरटिया ने लोहारू विधानसभा क्षेत्र में धन्यवादी दौरे के दौरान करीब दर्जनभर गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से रूबरू हुए।

विधायक ने कहा कि उनके लिए राजनीति कोई पद नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। वे इस जिम्मेदारी का हलके की जनता के सेवक के रूप में कार्य करके निर्वहन करेंगे। जनसंपर्क अभियान के तहत विधायक फरटिया ने हलके के ढाणी लक्ष्मण, अलाऊदीनपुर, बड़दू चैना, बड़दू पूर्ण, बड़दू धीरजा, बड़दू नई, बड़दू मुगल, बड़दू जोगी, बुढ़ेड़ा, अमीरवास और मनफरा आदि गांवों का दौरा किया। उन्होंने लोगों का आभार जताते हुए उनके साथ संवाद किया। विधायक फरटिया ने कहा कि यह यात्रा केवल एक राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-प्रतिनिधि द्वारा जन-भावनाओं का सीधा सम्मान है। उन्होंने कहा कि हर गांव, हर ढाणी में जाकर जनता की समस्याएं सुनना और उनका समाधान करवाने का प्रयास करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वे विधानसभा में लोहारू हलके की आवाज बनकर पहुंचे हैं तथा विधानसभा में क्षेत्र की समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाएंगे। ग्रामीणों ने विधायक का जोरदार स्वागत किया। लोगों ने कहा कि पहली बार कोई विधायक आभार प्रकट करने के लिए घर घर पहुंचा है। राजबीर फरटिया ने ग्रामीणों से वादा किया कि वे लोहारू हलके का चहुंमुखी विकास चाहते हैं तथा हलके लोगों की हितों की सुरक्षा के लिए वे 24 घंटे तैयार मिलेंगे। जनता की विश्वास पर खरा उतरेंगे।

जनसंपर्क अभियान के तहत ग्रामीण सभा को संबोधित करते विधायक राजबीर फरटिया।

# दातौली का पानी निकासी संबंधी विवाद निपटा

■ विधायक उमेद पातुवास की अपील पर एक मंच पर आए दोनों पक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। गांव दातौली में दूषित पानी निकासी के लिए ग्रामीणों से चर्चा करते विधायक उमेद पातुवास। फोटो :हरिभूमि

गांव दातौली के गंदे पानी की निकासी को लेकर पिछले पांच साल के पुराने विवाद का निपटारा हो गया है। रविवार को मामले के निपटारे के लिए दोपहर बाद विधायक उमेद पातुवास सहित प्रशासन भारी पुलिस बल समेत मौके पर मौजूद रहे।

लंबे समय से आपस में उलझे विधायक की अपील पर दोनों पक्ष एक मंच पर आए और सर्वसम्मति से दूषित पानी निकासी के लिए राजी हुए। विधायक उमेद के हस्तक्षेप से दातौली विवाद निपटा तो लंबे समय से परेशानी झेल रहे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। गांव दातौली में घरों से निकलने वाला दूषित पानी की निकासी को लेकर दो पक्ष एक दूसरे के क्षेत्र में दूषित पानी की आपूर्ति करने पर अड़े हैं और इससे पिछले पांच सालों से सभी ग्रामीणों को गलियों में भरा दूषित पानी के कारण नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर प्रशासन बार बार बजट भी आवंटित कर चुका है और झोझू बीडीपीओं पर कोर्ट भी सख्त फैसला लेते हुए सरकारी गाड़ी को अटैच कर चुका है, लेकिन मामला अधर में लटका हुआ है। शनिवार को विधायक उमेद सहित प्रशासन टीम मौके पर पहुंचकर गांव के मौजिज ग्रामीणों के साथ बैठकर दोनों पक्ष भी बुलाकर उनसे विवाद के निपटारे की अपील की। विधायक उमेद पातुवास ने कहा कि आपसी मनमुटाव से सारा गांव परेशानी झेल रहा है और आपसी भाईचारा भी बिगड़ रहा है। आखिरकार शनिवार को गांव दातौली के दूषित पानी की निकासी को लेकर पिछले पांच साल के पुराने विवाद का निपटारा हो गया है। आज मामले के निपटारे के लिए दोपहर बाद विधायक उमेद सहित प्रशासन भारी पुलिसबल समेत मौके पर मौजूद रहे। लंबे समय से आपस में उलझे विधायक की अपील पर दोनों पक्ष एक मंच पर आए और सर्वसम्मति से दूषित पानी निकासी के लिए राजी हुए। विधायक उमेद के हस्तक्षेप से दातौली विवाद निपटा तो लंब समय से परेशानी झेल रहे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। विधायक ने कहा कि सभी ग्रामीणों ने आपसी भाईचारा अपनाते हुए सर्वसम्मति से पुरानी समस्या का समाधान करने पर सहमति जताई और पंचायत विभाग जल्द इसका एस्टीमेट तैयार कर गांव से दूषित पानी को निकाल देगा। इससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

## रेडक्रॉस सोसायटी मानव हित एवं समाजसेवा में सदैव तत्पर : संजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ द्वारा संचालित प्रदेशभर के रेडक्रॉस कंप्यूटर इंस्टीट्यूट आरसीआईटी के संचालकों की राज्य स्तरीय वार्षिक बैठक रविवार को भिवानी के रेडक्रॉस भवन में आयोजित हुई। इस अवसर पर सभी इंस्टीट्यूट संचालकों को 2025-26 के लिए इंस्टीट्यूट ऑथोरिटी प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

आरसीआईटी हरियाणा के प्रबंधक संजय कामरा ने उपस्थित इंस्टीट्यूट संचालकों से कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी मानव हित के लिए सदैव तत्पर रही है। जिसके चलते वर्तमान में भी रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा प्रदेशभर में समाज तथा मानव हित में अनेक कार्य किए जा रहे हैं जिसमें से एक आधुनिक युग की शिक्षा कंप्यूटर प्रशिक्षण भी है। जोकि आरसीआईटी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के नाम से प्रदेश भर में दर्जनों स्थानों पर संचालित है जिसमें कम फीस में बेहतरीन कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है । इस मौके पर तोशाम के आरसीआईटी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट संचालक डॉक्टर विष्णु दत्त शास्त्री, पलवल से देशपाल, बवानी खेड़ा से गोविंद, लोहारू से अजय जायलवाल, जुई से अनिल लांबा, जींद से ललित कुमार, केरू से रामफल जांगड़ा, हिसार से बबीता, नांगल चौधरी से नवीन कुमार, ढिगावा से मनोहर प्रसाद आदि मौजूद रहे।

तोशाम। इंस्टीट्यूट संचालकों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

**सम्मान समारोह** | गीता पाठशालाओं के प्रमुख ब्रह्मावत्सों ने लिया भाग

# ब्रह्माकुमारी सुमित्रा बहन का किया सम्मान

बीके सुमित्रा कर्मठ एवं लग्नशील बहन, 28 वर्ष सरकारी सेवा में रहकर परमात्म सेवा की: बीके अंजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजपूत धर्मशाला में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन की केंद्र सरकार से सेवानिवृत्त पर सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह का आयोजन जिले की सभी गीता पाठशालाओं के प्रमुख ब्रह्मावत्सों ने बहादुरगढ़ से दिल्ली जोन प्रभारी राजयोगिनी बीके अंजली बहन के सानिध्य में आयोजित किया। सम्मान समारोह में राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन के लौकिक माता-पिता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि वे अपनी लौकिक पुत्री सुमित्रा को पूर्ण रूप से शिव परमात्मा के यज्ञ में सेवा के लिए समर्पित कर बहुत ही आनंदी महसूस करते हैं। राजयोगिनी बीके अंजली बहन ने कहा कि सुमित्रा बहन एक बहुत की कर्मठ एवं लग्नशील बहन है, जिन्होंने 28 वर्ष सरकारी सेवा में रहते हुए परमात्म सेवा को भी उसी लग्न एवं ईमानदारी के साथ निभाया। सेवानिवृति के बाद अब बीके सुमित्रा पूरी तरह बाबा की बनकर बाबा के हर कार्य चार चांद लगाने का कार्य करेंगी और बड़ों के आदेशानुसार यज्ञ के नियमानुसार अपने जीवन को और सुंदर एवं सुलभ बनाकर चलेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी शुभकामनाएं व शुभभावनाएं हमेशा सुमित्रा बहन के साथ रहेंगी। राजयोगिनी बीके निर्मला बहन ने कहा कि आज वे बहुत खुश हैं, सुमित्रा बहन के रूप में आध्यात्म का जो पौधा उन्होंने लगाया था वह आज वट वृक्ष बन गया है।

भिवानी। बीके सुमित्रा के लौकिक माता पिता व बीके सुमित्रा का सम्मान करती बहादुरगढ़ से दिल्ली जोन प्रभारी राजयोगिनी बीके अंजली बहन व अन्य। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राजयोगिनी बीके कोकिला रोहतक, राजयोगिनी बीके चेतना महम, राजयोगिनी बीके सुनीता बहादुरगढ़, बीके कीर्ति, बीके श्वेता, बीके आरती, बीके संतोष खरक, बीके अभय जैन, बीके कृष्ण रानीला, बीके भीम व स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर बीके धर्मवीर सहित अनेक ब्रह्मावत्स उपस्थित रहे।

## खबर संक्षेप

### ट्रक चोरी के दो आरोपी चालक काबू

**चरखी दादरी।** पुलिस ने ट्रक, टायर व डीजल चोरी के दो आरोपी ट्रक चालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है । दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि शहर के हरिनगर निवासी धर्मेन्द्र ने शिकायत में बताया था कि 18 टायरी ट्रक है, जो उसकी फर्म नेहरा ट्रेडिंग कंपनी के नाम रजिस्टर्ड है। ट्रक पर यूपी के मोइउद्दीनपुर अलीगंज निवासी मोनू व आशु फिरोजाबाद निवासी आशू को बतौर चालक रखा हुआ था। शिकायतकर्ता धर्मेंद्र ने बताया कि सात जुलाई को चालक मोनू उसे बिना बताए ट्रक को कहीं ले गया, अगले दिन जब उसने जीपीएस चैक किया तो गाड़ी की लोकेशन राजस्थान में कोटपुतली दिखा रही थी। ट्रक के दोनों चालकों को फोन किया तो दोनों के फोन बंद थे। उसे पता चला कि ट्रक बालाजी होटल कोटपुतली में खड़ा है।

### हरियाणा प्राइमरी टीचर एसो. ने जताया विरोध

**भिवानी।** शिक्षा विभाग ने निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 का स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के गठन की धारा 21 की धज्जियाँ उड़ाई विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में 7 मई के हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के पत्र के अनुसार गठित स्कूल मैनेजमेंट समितियों को रद्द कर दिया है और नए जारी पत्र के अनुसार स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के गठन के आदेश जारी किए गए हैं ।

### सरपंच एसो. ने किया महिला मुक्केबाजों का सम्मान

**भिवानी।** वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर लौटी महिला मुक्केबाजों को भिवानी सरपंच एसोसिएशन ने रविवार को स्थानीय भीम स्टेडियम में पहुंचकर बधाई दी। एसोसिएशन के सदस्यों ने इन होनहार खिलाडिय़ों को आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान भिवानी सरपंच एसोसिएशन के प्रधान सरपंच राजेश बूरा ने महिला खिलाडिय़ों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आज हमारी बेटियां बेटों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

### पुत्रवधू लापता, गुमशुदगी की शिकायत दर्ज

**लोहारू।** उपमंडल के एक गांव से विवाहिता के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। विवाहिता की सास ने लोहारू पुलिस थाने में पुत्रवधु के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में सास ने बताया कि उसकी 23 वर्षीय पुत्रवधु दो दिन बिना बताए घर से कहीं चली गई। उसकी अपने स्तर पर काफी तलाश की गई लेकिन वह नहीं मिली।

भाजपा कर रही हर वर्ग का विकास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

# प्रजापति समाज मेहनतकश है, इनके खून में दक्षता है: गंगवा

## प्रदेश में मैरिट के आधार पर युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा रही

हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रजापति समाज मेहनतकश समाज है, इनके खून में दक्षता है। पूर्व की सरकारों ने इस समाज की अनदेखी की है। लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रजापति समाज के साथ- साथ सभी वर्गों को पूरा सम्मान दिया है। प्रदेश में मैरिट के आधार पर युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा रही है।

प्रदेश के लोक निर्माण तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि प्रजापति समाज मेहनतकश समाज है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश स्तर पर महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती मनाकर प्रजापति समाज का सम्मान बढ़ाया है। यह समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने प्रजापति समाज की अनदेखी की है, लेकिन वर्तमान सरकार ने हर वर्ग विशेषकर ओबीसी समाज के उत्थान के लिए कार्य किया है।

### सरकार प्राचीन संस्कृति को जिंदा रखने का कार्य कर रही

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कहा कि संत-महात्माओं व महापुरूषों की जयंतियां सरकारी तौर पर मनाकर प्रदेश सरकार हमारी प्राचीन संस्कृति को जिंदा करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराजा दक्ष ने शिल्पकला के क्षेत्र में जो योगदान दिया था, उसकी आज के मशीनरी युग में भी अनदेखी नहीं की जा सकती।

### महाराज दक्ष धर्म, मर्यादा व उतरदायित्व के प्रतीक थे

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि महाराज दक्ष धर्म, मर्यादा व उतरदायित्व के प्रतीक थे। उनका जीवन लोक सेवा को प्रेरित करता है। समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हुए महाराज दक्ष ने मानव जाति की जरूरतों को पूरा करने का काम किया।

### मुख्यमंत्री हर वर्ग की भलाई के लिए हमेशा कार्यरत

प्रदेश की सिंचाई एवं जल संसाधन तथा महिला व बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री हर वर्ग की भलाई के लिए 24 घंटे काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुक्यमंत्री स्व. चौ. बंसीलाल व चौ. सुरेन्द्र सिंह ने इस इलाके की खुशहाली के लिए लिक्रट इरीगेशन सिस्टम से इस क्षेत्र को हरा-भरा करने का कार्य किया है। उनकी माता सांसद किरण चौधरी ने भी वन एवं पर्यावरण तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रहते क्षेत्र की भलाई के लिए अनेक कार्य किए हैं। जिला भिवानी के लोगों ने उनका परिवार के सदस्य की तरह साथ दिया है।

**भिवानी।** मंच से जयंती समारोह में पहुंचे लोगों को संबोधित करते मंत्री गंगवा, साथ में मामन चंद व रमेश टांक।

### प्रजापति महाराजा दक्ष की तकनीक आज के इंजीनियरों से भी आगे थी

भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रजापति महाराजा दक्ष की तकनीक आज के इंजीनियरों से भी आगे थी। मकान निर्माण में मिट्टी की ईटों आदि का प्रयोग मकान को वातानुकुलित करता है। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया को बढ़ावा देकर हाथ से काम करने वाले कारीगरों का जीवन स्तर उंचा उठाने का काम किया है। बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकी ने कहा कि मुक्यमंत्री सैनी सरल स्वभाव के हैं और वे हर वर्ग के लिए दिन-रात कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि महाराजा प्रजापति दक्ष पूरी मानव जाति के गुरू थे। महाराजा प्रजापति दक्ष जयंती मनाए जाने से समाज में एकता एवं भाईचारे का संदेश जाएगा। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ, नलवा से विधायक रणधीर पणिहार, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक, युवा आयोग के पूर्व चेयरमैन मुकेश गौड़, शंकर धूपड़, बवानीखेड़ा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री, पूर्व चेयरमैन मामनचंद,रमेश टांक, नंदराम धानिया, मीना परमार के अलावा दक्ष प्रजापति समाज के प्रदेशभर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

श्रावण माह की जुलाई में तीन और अगस्त में एक सोमवार

# श्रावण माह का पहला सोमवार आज, भोले के जयकारों से गूंजेंगे छोटी काशी के शिवालय

23 जुलाई को शिवरात्रि पर्व

राकेश भटठी ⏭भिवानी

श्रावण माह 11 जुलाई शुक्रवार से शुरू होकर नौ अगस्त शनिवार को संपन्न होगा और इस बार श्रावण माह में जुलाई में तीन व अगस्त में एक सोमवार आएगा। वहीं 23 जुलाई को श्रावण माह की शिवरात्रि है। श्रावण माह का पहला सोमवार 14 जुलाई, दूसरा 21 जुलाई, तीसरा 28 जुलाई और चौथा सोमवार चार अगस्त को हैं, जिसमें श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान शिव की अराधना करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। श्रावण माह के पहले दिन 11 जुलाई से ही छोटी कांशी के शिवालयों में बम-बम भोले व हर-हर महादेव के जयघोष शुरू हो जाते हैं। शिवभक्त कांवड़ लेने के लिए रवाना हो रहे हैं, जो हरिद्वार, गंगौत्री, गौमुख व नीलकंठ से कांवड़ में गंगाजल लेकर आएंगे और भगवान शिव को चढ़ाएंगे। उल्लेखनीय हैं कि 11 जुलाई शुक्रवार से श्रावण माह शुरू हुआ, जो नौ अगस्त शनिवार को समाप्त होगा। श्रावण माह के पहले दिन से ही छोटी कांशी के शिवालयों में बम-बम भोले व हर-हर महादेव के जयघोष शुरू हो जाते हैं। 14 जुलाई को श्रावण माह का पहला सोमवार हैं और 23 जुलाई को शिवरात्रि पर्व हैं। श्रावण माह में जोगीवाला शिव मंदिर, बाबा जहरगिरी आश्रम, जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर शिवालय, श्योलाल पुरी मंदिर, टेकासूजी शिव मंदिर, हीरापुरी मंदिर, जोहड़ वीर मंदिर व सिद्धपीठ लाल महादेव अखाड़ा वाला मंदिर सहित शहर के अनेक शिवालयों में अलसुबह से ही श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ लगने लगती हैं। श्रावण माह में शिवभक्त लाइनों में लगकर शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल, फूल, बांग व धतूरा आदि चढ़ाकर भगवान शिव की अराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं, क्योंकि भगवान शिव को श्रावण माह अत्यंत प्रिय होता हैं, इसलिए भगवान शिव श्रावण माह में बहुत जल्द प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं।

**भिवानी।** जोगीवाला शिव मंदिर व जोगीवाला शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए लगी श्रद्धालुओं की भीड़। *फोटो: हरिभूमि*

### इनसे करें शिव पूजन

केएल ज्योतिषाचार्य अनुसंधान केंद्र के आचार्य विजय शास्त्री ने बताया कि श्रावण माह व श्रावण के सोमवार को भगवान शिव-पार्वती की प्रतिमा व शिवलिंग की पूजा की जाती हैं। पूजन में फूल, दक्षिणा, दही, पंच रस, इत्र, रोली, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पंच फल, पंच मेवा, पुष्प, कच्चा दूध, कपूर, धूप, दीप, रूई, चंदन, शुद्ध देशी घी, मौली, जनेऊ, पंच मिठाई, शहद, गंगाजल, शिव व मां पार्वती की श्रृंगार सामग्री आदि का प्रयोग किया जाना चाहिए।

### अलसुबह स्नान कर पूजा स्थल की करें सफाई

आचार्य विजय शास्त्री ने बताया कि श्रावन के सोमवार का उपवास रखने के लिए श्रद्धालु को अलसुबह उठकर स्नान करना चाहिए और साफ कपड़े पहने चाहिए। इसके बाद घर के पूजा स्थल या मंदिर की साफ सफाई कर विधि-विधान से शिवलिंग की पूजा कर अभिषेक करना चाहिए। इसके बाद में भगवान शिव को चंदन का तिलक लगाएं और भांग, धतूरा, बेलपत्र, आंक आदि चढ़ाकर भगवान शिव की प्रतिमा या चित्र के समक्ष घी का दीपक जलाएं। श्रावन सोमवार व्रत की कथा सुनकर और भगवान शिव की आरती करें और अंत में भोग लगाएं।

### श्रावन के सोमवार का व्रत रखने में ये अपनाएं नियम

श्रावन माह के सोमवार का व्रत करने वाले श्रद्धालु को शिवलिंग पर जलाभिषेक जरूर करना चाहिए। श्रावण के सोमवार को उपवास रखने वाले को फलहार करना चाहिए और अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। व्रत रखने वालों को दिन में सोना नहीं चाहिए। मान्यता है कि इस समय भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और पूरी दुनिया का कार्यभार भगवान भोलेनाथ संभालते हैं, इसलिए श्रावन में भोलनाथ की पूजा का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व होता है।

**चरखी दादरी।** समारोह में माननीय पार्षद का सम्मान करते गणमान्य नागरिक।

# नप के मनोनीत पार्षद को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

- मास्टर रविंद्र वशिष्ठ ने बताया कि डॉ. अश्वनी का परिवार वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है

नप के मनोनीत पार्षद डॉ. अश्वनी भारद्वाज उर्फ अन्नू भारद्वाज के स्वागत में ब्राह्मण भवन परिसर में ब्राह्मण समाज ने समारोह का आयोजन किया। नूतन ब्राह्मण सभा प्रधान शशिकांत भारद्वाज व समाज के गणमान्य नागरिकों ने उनका अभिनंदन किया। मास्टर रविंद्र वशिष्ठ ने बताया कि डॉ. अश्वनी का परिवार वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है और समाज में एक विशिष्ट पहचान रखता है, उनके पिता स्वर्गीय डॉक्टर ज्ञानचंद भी पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. अश्वनी के पिता अपने जीवनकाल में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। डॉ. अश्वनी के बतौर पार्षद मनोनीत होने पर समाज में एकता, अखंडता और भाईचारे की अद्वितीय मिसाल देखने को मिली। वक्ताओं ने कहा कि दादरी शहर को आज ऐसे ही अनुभवी, शिक्षित और समाजसेवी व्यक्तित्व की आवश्यकता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि डॉ. अश्वनी ब्राह्मण समाज को नई दिशा देने में सफल होंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील इंजीनियर, प्रधान शशिकांत भारद्वाज, सतबीर गौड, एडवोकेट प्रवीण, अनिल पांडे, सुरेश थानेदार, नरेंद्र, राम सिंह शर्मा, मास्टर हरीश बिजणा, देवकीनंदन, दिलबाग शर्मा, डॉक्टर रूपांश, राजकुमार, लक्ष्मी नारायण, डॉ भागवत भारद्वाज, नितिन वत्स, विक्की मास्टर, पवन हरिदास, महावीर कौशिक, ओमकार ठेकेदार, राम शर्मा, रामकिशन एडवोकेट, पूर्व प्रधान कुलदीप जोशी सहित इत्यादि उपस्थित थे।

# सलाह प्रतिनिधिमंडल ने भिवानी पहुंचने पर शिक्षामंत्री ढ़ांडा का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर शर्मा के नेतृत्व में रविवार को भिवानी पहुंचने पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढ़ांडा का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान सलाह प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षामंत्री ढांडा द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यो को लेकर उनका आभार जताया। इसके साथ ही शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई। सलाह के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर शर्मा ने शिक्षा के विकास और सुधार के लिए शिक्षा मंत्री महिपाल ढ़ांडा के प्रयासों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें शिक्षकों और छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियां और अवसरों को शामिल किया। उन्होंने बताया कि बैठक शिक्षामंत्री और शिक्षक प्रतिनिधियों के बीच सकारात्मक संवाद का अवसर बनी, जिससे हरियाणा में शिक्षा के भविष्य को लेकर आपसी सहयोग और समझ को बढ़ावा मिला। सलाह प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि ऐसी बातचीत से प्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

**भिवानी।** शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा का स्वागत करता सलाह का प्रतिनिधिमंडल।

# अधिकारियों की नियुक्ति नहीं होने से लोग परेशान

- जिले में 30 प्रतिशत स्थायी अधिकारी, दो तहसीलदार व आधा दर्जन कानूनगो के पद रिक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

प्रदेश का दादरी जिला व वाढ़ड़ा खंड खनन क्षेत्र में सबसे अधिक राजस्व देने वाला प्रदेश का सबसे छोटा जिला हैं और इसके बावजूद 30 प्रतिशत स्थायी अधिकारी एक तरह से अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं। जिले में विकास के नाम पर जिला परिषद, चार पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों में भले ही करोड़ों रुपये का बजट अभी तक खर्च होने के इंतजार में है, वहीं एडीसी, एसडीएम, तहसीलदार, बीडीपीओ के रिक्त पदों के कारण दूसरे जिलों के अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार देकर काम चलाया जा रहा है। इसे जिले के जनप्रतिनिधियों की बेबसी कहें या अधिकारियों की जिले में ही तैनाती से दूरी बनाना। कुछ भी हो, लेकिन ये हालात आमजन के गले की फांस बने हुए हैं। प्रदेश में पहली बार वर्ष 2014 में बहुमत से सत्तीसीन हुई भाजपा ने जिले की जनता की नब्ज पकड़ते हुए दादरी उपमंडल को जिला, बाढ़ड़ा तहसील को उपमंडल व गांव झोझू को खंड का दर्जा दिया। इसके साथ ही विकास का दावा किया, लेकिन भाजपा के लगातार तीसरी बार भी सत्ता में आने के बावजूद नवगठित जिला चरखी दादरी विकास के क्षेत्र में गति नहीं पकड़ पाया है। प्रदेश के खजाने को खनन के राजस्व से लबालब भरने वाले जिले की जनता आज भी बिजली, पानी, शिक्षा के इंतजार में है।

बाढ़ड़ा तहसील कार्यालय।

### जिले की उपेक्षा करना भाजपा सरकार को पड़ेगी भारी

पूर्व विधायक एवं कांग्रेसी नेता सोमवीर सिंह ने जिले की विकास योजनाओं में लेटलतीफी, अधिकारियों की तैनाती न होने पर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाया। एक तरफ लोकसभा क्षेत्र में सांसद के अलावा कैबिनेट मंत्री, भाजपा विधायक होने के बावजूद न अधिकारी मिल रहे और न ही विकास के लिए बजट। कांग्रेस जनहितों की रक्षा के लिए जल्द ही बैठक बुला रणनीति तैयार कर गांव-गांव जाकर सरकार की वादाखिलाफी का खुलासा करेगी।

### शिक्षा, बिजली व चकबंदी विभाग भी उपेक्षा का शिकार

बाढ़ड़ा उपमंडल क्षेत्र सहित जिलेभर में पांच राजकीय कॉलेज हैं, लेकिन प्राचार्य से लेकर वरिष्ठ प्रोफेसर तक के पदों पर शिक्षक नहीं है। बाढ़ड़ा में सबसे अधिक छात्राओं की संख्या वाले राजकीय महिला कालेज में मात्र एक अंग्रेजी प्राध्यापक व मांढ़ी, कादमा के कॉलेजों में 40 प्रतिशत शैक्षणिक स्टाफ नियुक्त नहीं है। जिले में सबसे अधिक चकबंदी सुविधा से वंचित गांव है और वहां पर भी मात्र 30 प्रतिशत स्टाफ है। वहीं गांव में समय पर चकबंदी न होने से ग्रामीण विकास रुका हुआ है।

# चीट फंड कंपनियों के पीड़ितों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चीट फंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों को उनका भुगतान करवाने की मांग को लेकर ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार (तपजप) के बैनर तले पीड़ित निवेशक हुडा पार्क में एकत्रित हुए। इसके बाद निवेशकों ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के निवास स्थान पर उनके पीए दिलबाग नीमड़ी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा। तपजप के प्रदेश अध्यक्ष रामजस ने बताया कि विभिन्न चीट फंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों के भुगतान के लिए प्रत्येक जिला स्तर पर बड्स एक्ट-2019 के देशभर में कार्यालय खोले गए थे, जिसके तहत इन कार्यालयों में निवेश संबंधी दस्तावेज जमा करवाने के 180 दिनों में दो से तीन गुणा तक भुगतान का प्रावधान किया था, लेकिन बड्स एक्ट-2019 कार्यालय खुलने के करीबन 16 माह से अधिक समय बीतने के बावजूद आज तक पीड़ित निवेशकों की जमापूंजी नहीं मिली। इस बारे में वे पहले भी कई बार मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंप चुके हैं और मुख्यमंत्री ने शीघ्र भुगतान करने के आदेश दिए थे, लेकिन अभी तक उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ।

**भिवानी।** जमापूंजी के भुगतान की मांग को लेकर विरोध जताते चीट फंड कंपनियों के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

शहर के प्रत्येक प्रवेश द्वारों पर नाकाबंदी, हर वाहन की जांच के बाद शहर में हुई एंट्री

# प्रजापति महाराजा दक्ष के जयंती समारोह पर सुरक्षा चाक-चौबंद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भीम स्टेडियम में आयोजित प्रजापति महाराजा दक्ष जयंती समारोह सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था जबरदस्त चॉक चौबंद रही। जयंती समारोह स्थल तक करीब आधा दर्जन नाके लगाए गए। सभी नाकों पर तलाशी होने के बाद ही लोग रैली स्थल तक पहुंच पाए। इनके अलावा शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर पुलिस की जबरदस्त नाकाबंदी रही। हर वाहन चालक की तलाशी के बाद शहर के अंदर प्रवेश करने दिया। शहर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दूसरे जिलों से पहुंची रोडवेज बसों को रैली स्थल से एक किलोमीटर दूर खड़ा करवा दिया। वहीं से रैली में आने वाले लोग पैदल समारोह स्थल तक पहुंचे। कार्यक्रम जारी रहने तक शहर में वाहनों का जबरदस्त दबाव बना रहा। कार्यक्रम खतम होने के बाद ही शहर की सड़कों को सांस मिल पाया। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए शहर को जोड़ने वाले हर छोटे बड़े रास्ते पर पुलिस बल तैनात रही।

**भिवानी।** रैली में पहुंचने वाले लोगों की जांच पड़ताल करती पुलिस। *फोटो: हरिभूमि*

### दक्ष प्रजापति जयंती में काफिले के साथ रवाना हुए विधायक व चेयरमैन

**बवानीखेड़ा।** भिवानी में दक्ष प्रजापति जयंती को कामयाब बनाने के लिए पिछले कई दिनों से विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने कार्यकर्ताओं संग मिलकर अभियान चलाया हुआ था और रविवार को गांववाइज बसों की सुविधा मुहैया करवाई गई और बवानी खेड़ा में भी मनोनित पार्षद श्रीभगवान नाहड़िया व समाजसेवी औमपाल नाहडिया द्वारा समस्त समाज को एकत्रित कर बसों में लोगों को बैठाया। वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि शहर बवानी खेड़ा सहित समस्त हलके के लोगों का इस जयंती को सफल बनाने के लिए काफी रूझान देखने को मिल रहा था और हजारों की संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।